SANKALP EK PRAYAS
SOCIETY, BHILAI

मासिक
समाचार पत्र

Monthly Newsletter

सितम्बर 2025

इस माह हमारी पहूँच

आदर्श बाल ग्राम

सीख

कुल बच्चे 11,706

सृजन

कुल बच्चे 7,807

गरिमा

कुल बच्चे 6,048

फेलोशिप

कुल फेलो 135

कुल शिक्षक 816

संकल्प एक प्रयास:

ग्रामीण भारत में एक उज्जवल भविष्य का निर्माण

परिचय - "संकल्प एक प्रयास" छत्तीसगढ़ के पाँच ज़िलों में बच्चों और युवतियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह एक ऐसा गैर-सरकारी संगठन है जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है, और मानता है कि बच्चों के विकास पर ध्यान देकर पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

प्रमुख कार्यक्रम और पहल

प्रोजेक्ट कर्तव्य

"संकल्प एक प्रयास" का मुख्य कार्यक्रम प्रोजेक्ट कर्तव्य है, जिसका उद्देश्य गाँवों को 'आदर्श बाल ग्राम' में बदलना है। इस प्रोजेक्ट के तहत, बच्चों के लिए एक ऐसा सुरक्षित और सहायक वातावरण तैयार किया जाता है जहाँ वे बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ सकें। यह प्रोजेक्ट शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक भागीदारी पर केंद्रित है।

प्रथम चरण (2021-2025)

इस चरण में, समुदायों को जागरूक किया गया और 'सीख', 'सृजन' और 'गरिमा' जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत की गई।

द्वितीय चरण (2025-2027)

इस चरण में, संस्था व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोज़गार के माध्यम से दीर्घकालिक प्रभाव डालने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

1. सीख (Learning)

यह कार्यक्रम 6 से 11 वर्ष के बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को मजबूत करने पर केंद्रित है।

- **सीख केंद्र (LRCs):** ये लर्निंग रिसोर्स सेंटर हैं जहाँ स्थानीय महिलाओं की मदद से बच्चों को पढ़ाई में अतिरिक्त सहायता दी जाती है।

- **E_Merge :** यह पहल बच्चों को डिजिटल शिक्षा के माध्यम से आधुनिक तकनीक से जोड़ती है।

2. सृजन (Creation)

12 से 16 वर्ष के किशोरों के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्यक्रम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करता है।

- **सृजन केंद्र (LRCs):** इन केंद्रों पर गणित, विज्ञान और अंग्रेज़ी जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

- **ई-उड़ान:** यह कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता और कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करता है।

- **विज्ञान मेला :** यह बच्चों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देता हैं|

2. सृजन (Creation)

यह कार्यक्रम किशोरियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।

- **गरिमा मंच:** यह किशोरियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों पर चर्चा करने का एक सुरक्षित स्थान है।

- **गर्ल्स राइजिंग:** इस पहल का उद्देश्य किशोरियों को आत्मनिर्भर बनाना और सामाजिक बाधाओं को तोड़ना है।

- **स्वास्थ्य शिविर:** सरकारी स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से बच्चों और किशोरियों की स्वास्थ्य जाँच की जाती है।

फेलोशिप कार्यक्रम

अगली पीढ़ी के नेताओं का निर्माण

"संकल्प एक प्रयास" का दो वर्षीय फेलोशिप कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षित लड़कियों को सामाजिक परिवर्तन के लिए तैयार करता है। इस कार्यक्रम के तहत, उन्हें नेतृत्व, प्रबंधन और सामाजिक चुनौतियों को हल करने के कौशल सिखाए जाते हैं। ये फेलो इस आंदोलन के लिए रोल मॉडल बनते हैं और अपने समुदायों में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्रामीण बच्चों ने रचा संकल्प से सफलता का नया अध्याय

NMMSE परीक्षा में 103 बच्चों का चयन, अगला लक्ष्य 150 का

संकल्प एक प्रयास संस्था द्वारा संचालित 'सृजन प्रयोजन' कार्यक्रम के तहत ग्रामीण अंचल में पढ़ने वाले कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आर्थिक सह मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSE) की तैयारी कराई जाती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों की पहचान कर उन्हें छात्रवृत्ति दिलवाना, माध्यमिक शिक्षा में ड्रॉपआउट दर को कम करना तथा आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस पहल के अंतर्गत प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा पात्र विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। इसके बाद चयनित शिक्षकों को संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन संस्था के फेलों द्वारा किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि शिक्षक बच्चों को प्रभावी और सरल तरीकों से पढ़ा सकें।

NMMSE परीक्षा की तैयारी के लिए एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। इसके तहत बच्चों की नियमित कक्षाएं संचालित की जाती हैं। प्रत्येक माह मासिक मूल्यांकन तथा मॉक टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन किया जाता है। जिन बच्चों को गणित या मानसिक योग्यता जैसे विषयों में कठिनाई होती है, उनके लिए विशेष ध्यान दिया जाता है और सरल तरीकों से उन्हें समस्याओं का हल समझाया जाता है।

इस वर्ष संस्था के प्रयासों से 103 छात्रों का चयन NMMSE परीक्षा में हुआ है, जो ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। संस्था का लक्ष्य आगामी वर्ष में 150 विद्यार्थियों को इस परीक्षा में चयनित कराना है।

संकल्प एक प्रयास द्वारा चलाया जा रहा यह कार्यक्रम न केवल बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान करता है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार नागरिक भी बनाता है।

शीर्षक

उम्मीद की किरण: एक छात्रवृत्ति , एक उज्जवल भविष्य

आठवीं कक्षा की खुसबू , छत्तीसगढ़ के एक छोटे से गाँव से आती है, जहाँ बिजली भी अक्सर चली जाती है। उसके पिता एक किसान हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति कमज़ोर है। शिक्षा को विज्ञान और गणित में बहुत रुचि है, लेकिन उसे पता था कि बिना सही मार्गदर्शन के, वह एनएमएमएसइ जैसी परीक्षा पास नहीं कर पाएगी।

जब हमारे एनजीओ ने उनके गाँव में एनएमएमएसइ तैयारी कार्यक्रम शुरू किया, तो खुसबू की आँखों में उम्मीद की एक नई चमक आ गई। अब वह हमारे केंद्र पर हर शाम आती है, जहाँ उसे मुफ्त , स्टडी मटेरियल और मॉक टेस्ट की सुविधा मिलती है। हमारे अनुभवी शिक्षकों की मदद से, वह अब मुश्किल से मुश्किल सवालों को भी आसानी से हल कर लेती है।

खुशबू कहती है, "इस सृजन केन्द्र ने मेरी बहुत मदद की है। पहले मुझे लगता था कि मैं कभी छात्रवृत्ति नहीं जीत पाऊँगी, लेकिन अब मुझे पूरा विश्वास है कि मैं सफल हो सकती हूँ। मैं पढ़-लिखकर एक वैज्ञानिक बनना चाहती हूँ, मेरे सपनों को उस दिन पंख मिला जब मेरा एनएमएमएसइ में चयन हुआ और अब मैं उड़ान भरने को तैयार हूँ "

खुशबू के पिता कहते हैं, "हमारा सपना है कि हमारी बेटी खूब पढ़े और हमारा नाम रोशन करे। हमारे पास इतने पैसे नहीं थे कि हम उसे कोचिंग दिला पाते। आपके एनजीओ की वजह से हमारी बेटी का सपना पूरा हो गया। यह हमारे लिए एक वरदान की तरह है।"

यह कहानी सिर्फ खुशबू की नहीं है, बल्कि ऐसे कई और बच्चों की है, जिन्हें सिर्फ एक मौके की तलाश है। हमारे एनजीओ का लक्ष्य है कि ऐसे हर बच्चे को शिक्षा का सही अवसर मिले।

'संकल्प एक प्रयास'

शिक्षा के सहारे ग्रामीण बच्चों को मिली नई राह,

34 छात्रों का नवोदय में चयन

जहाँ एक ओर शहरी क्षेत्रों में आधुनिक शिक्षा की चकाचौंध है, वहीं ग्रामीण भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आज भी एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में, 'संकल्प एक प्रयास' नामक एक गैर-लाभकारी संस्था पिछले १६ वर्षों से ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच की खाई को पाटने का सराहनीय काम कर रही है। इस साल उनके प्रयासों से 34 छात्रों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है, जो उनके समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

'संकल्प एक प्रयास' संस्था का मानना है कि हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो। इसी लक्ष्य के साथ, संस्था नवोदय और एकलव्य जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की प्रवेश परीक्षाओं के लिए ग्रामीण बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करती है। उनका उद्देश्य सिर्फ़ परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि बच्चों को सशक्त बनाना और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है।

सफलता की रणनीति: एक सुनियोजित प्रयास

संस्था ने एक ठोस और डेटा-संचालित योजना के साथ काम किया। सबसे पहले, उन्होंने बच्चों की ज़रूरतों को समझने के लिए उनका पूरा डेटा एकत्र किया। इसके बाद, शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण, समय प्रबंधन और बच्चों को प्रेरित करने के तरीकों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

योजना में माता-पिता को जागरूक करना और बच्चों को आवश्यक किताबें और अभ्यास सामग्री उपलब्ध कराना भी शामिल था। बच्चों की प्रगति पर नज़र रखने के लिए नियमित साप्ताहिक और मॉक टेस्ट आयोजित किए गए, जिससे कमजोर छात्रों को अतिरिक्त सहायता दी जा सकी।

चुनौतियों पर विजय

संस्था के सदस्यों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जैसे बच्चों में समय का अभाव और मानसिक दबाव। इसका समाधान नियमित अभ्यास और मॉक टेस्ट के माध्यम से किया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। जिन छात्रों को सवालों को समझने में दिक्कत होती थी, उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं भी चलाई गईं।

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर माता-पिता की व्यस्तता के कारण परीक्षा केंद्रों तक बच्चों को पहुँचाना एक समस्या होती है। इसे देखते हुए, 'संकल्प एक प्रयास' की टीम ने स्वयं बच्चों को परीक्षा केंद्र तक पहुँचाने का ज़िम्मा उठाया।

सामूहिक प्रयास का नतीजा

इस सफलता का श्रेय सामूहिक प्रयास और टीम वर्क को दिया जाता है। संस्था के सदस्य मासिक ऑनलाइन बैठकों के ज़रिए समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हैं। उनके अनुसार, यह सफलता सही योजना, नियमित अभ्यास और एकजुट होकर काम करने का नतीजा है। 'संकल्प एक प्रयास' की यह पहल साबित करती है कि सही मार्गदर्शन और सामूहिक सहयोग से कोई भी चुनौती पार की जा सकती है। 34 छात्रों का चयन न सिर्फ़ संस्था के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के लिए एक नई उम्मीद भी जगाता है।

'संकल्प एक प्रयास'
ने दी नई उड़ान, पायल का नवोदय में हुआ चयन

एक छोटे से गाँव की बेटी पायल ने अपनी लगन और 'संकल्प एक प्रयास' संस्था के सहयोग से एक अविश्वसनीय सफलता हासिल की है। दिहाड़ी मजदूर की बेटी पायल का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है, जो उन सभी बच्चों के लिए एक प्रेरणा है जो आर्थिक चुनौतियों के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

पायल के माता-पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे उसे बेहतर शिक्षा नहीं दे सकते थे। लेकिन पायल में हमेशा कुछ सीखने की ललक थी। उसकी माँ को 'संकल्प एक प्रयास' नामक एक संस्था के बारे में पता चला, जिसने उनके गाँव में गरीब बच्चों के लिए एक मुफ्त 'सीख केंद्र' खोला था। शुरू में पायल थोड़ी शर्मीली थी, लेकिन केंद्र की शिक्षिका ने खेल-खेल में पढ़ाई के माध्यम से उसका आत्मविश्वास बढ़ाया। पायल ने बहुत तेजी से प्रगति की और गणित, हिंदी और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ बना ली। पायल कहती है कि अब वह बिना हिचकिचाए अपने सवाल पूछ सकती है और उसका आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

पायल की इस सफलता से उसकी माँ भी बहुत खुश हैं। उन्होंने 'संकल्प एक प्रयास' संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "इस संस्था की वजह से ही मेरी बेटी का यह सपना पूरा हो पाया है। मैं चाहती हूँ कि वे आगे भी इसी तरह गरीब बच्चों की मदद करते रहें।"

पायल की यह सफलता दिखाती है कि अगर सही दिशा और थोड़े से सहयोग के साथ प्रयास किया जाए, तो कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती। 'संकल्प एक प्रयास' जैसी संस्थाएँ वास्तव में समाज में एक सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

छत्तीसगढ़ के गाँवों में शिक्षा की नई अलख, 'मॉडल सेंटर्स' से बदल रही तस्वीर

संकल्प एक प्रयास संस्था द्वारा छत्तीसगढ़ के 25 गाँवों में शुरू हुई एक विशेष पहल ने शिक्षा के प्रति लोगों का नज़रिया बदल दिया है। यहाँ 'मॉडल सेंटर्स' की स्थापना की गई है, जहाँ बच्चे बोझिल पढ़ाई की बजाय, हँसते-खेलते और आनंदपूर्ण माहौल में सीख रहे हैं। इस अनूठी पहल का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना है।

शुरुआत में चुनौतियाँ, अब बड़ी सफलता

इस अभियान की शुरुआत में सबसे बड़ी चुनौती अभिभावकों को शिक्षा का महत्व समझाना था। कई माता-पिता बच्चों के समय को पढ़ाई की जगह काम में लगाना ज़्यादा उचित मानते थे। लेकिन, लगातार बैठकों और संवाद के माध्यम से उन्हें यह समझाया गया कि शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की कुंजी है। इन प्रयासों का नतीजा यह हुआ कि अब बैठकों में 50% से ज़्यादा अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है।

मॉडल सेंटर्स की विशेषताएँ

ये सेंटर्स बच्चों के लिए एक आदर्श सीखने का वातावरण प्रदान करते हैं। यहाँ बच्चों की 90% से ज़्यादा उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। इन सेंटरों में डिजिटल लर्निंग, पीयर लर्निंग (साथ मिलकर सीखना), और टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टी.एल.एम.) जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए लाइब्रेरी बनाई गई है ताकि वे किताबों से दोस्ती कर सकें, और साफ़-सुथरे वॉशरूम की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, पंखे, लाइट, मैट, और ग्रीन बोर्ड जैसी बुनियादी सुविधाएँ भी यहाँ मौजूद हैं, जो सीखने के अनुभव को और बेहतर बनाती हैं।

इन सेंटर्स में बच्चों को नवोदय जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जा रहा है। E-Marge (डिजिटल माध्यमों से सीखने का अवसर) की सुविधा भी दी गई है, जिससे बच्चे आधुनिक तकनीक से भी परिचित हो सकें।

शिक्षा का प्रभाव और गाँव में बदलाव

इन मॉडल सेंटर्स का प्रभाव साफ देखा जा सकता है। बच्चे अब समय से सेंटर्स पहुँचते हैं और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। अभिभावक अब शिक्षा को गंभीरता से ले रहे हैं और बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इस पहल ने गाँव के लोगों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा की है।

आज ये मॉडल सेंटर्स सिर्फ़ सीखने की जगह नहीं, बल्कि पूरे गाँव के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। जहाँ कभी शिक्षा को लेकर उदासीनता थी, वहाँ अब बच्चों की हँसी, किताबों की खुशबू और सीखने का उत्साह वातावरण में घुल रहा है। यह सेंटर साबित करती है कि सही दिशा और निरंतर प्रयासों से शिक्षा की रोशनी सबसे दूर के गाँवों तक भी पहुँच सकती है।

धौरा भाटा में शिक्षक सम्मान समारोह:
पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया शिक्षकों का सम्मान

ग्राम धौरा भाटा, 5 सितंबर - शिक्षक दिवस के अवसर पर, ग्राम धौरा भाटा में एक भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए , सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य उन शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करना था, जिन्होंने बच्चों के भविष्य को संवारने और अपने क्षेत्र के स्कूलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस दौरान, 'संकल्प एक प्रयास' के तहत कार्यरत शिक्षकों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। 'संकल्प एक प्रयास' के अंतर्गत देवादा गांव के 'सीख' और 'सृजन' कार्यक्रम के फ़ेलो और शिक्षिकाओं को उनकी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की पहल के लिए सराहा गया।

जनपद सदस्य श्रीमती उर्वशी वर्मा जी. ने सभी उपस्थित शिक्षकों और फ़ेलोज़ को बैच और पेन देकर सम्मानित किया। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज की नींव हैं और बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में उनकी भूमिका अमूल्य है। उन्होंने सभी शिक्षकों को उनके सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इसी तरह समर्पित रहने का आग्रह किया।
यह समारोह शिक्षकों के समर्पण और कड़ी मेहनत को पहचान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसने न केवल उनका मनोबल बढ़ाया बल्कि समाज में शिक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया।

नवोदय परीक्षा
शिक्षकों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़: 13,16 से 19 अगस्त, 2025 को छत्तीसगढ़ के पांच जिलों में शिक्षकों के लिए 'संकल्प- एक प्रयास' नामक संस्था के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा जैसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए बच्चों को बेहतर ढंग से तैयार करने में सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान, शिक्षकों को गणित, मानसिक योग्यता और अनुच्छेद जैसे विषयों के जटिल अवधारणाओं को सरल और प्रभावी तरीकों से समझाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस पहल का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चे इन विषयों में पूरी तरह पारंगत हों और परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकें।
प्रशिक्षण में शिक्षकों ने समूह कार्य, प्रश्नोत्तर सत्र और व्यावहारिक अभ्यासों में भाग लिया, जिससे वे विषयों की गहराई से जुड़ सके। इन गतिविधियों से शिक्षकों को यह भी सीखने का मौका मिला कि वे बच्चों के साथ कैसे कार्य कर सकते हैं और उनके शिक्षण कौशल को कैसे बढ़ा सकते हैं।
यह प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा है। इस तरह के प्रशिक्षण से शिक्षकों को न केवल बच्चों के कांसेप्ट क्लियर करने में मदद मिलेगी, बल्कि वे उन्हें परीक्षा के लिए मानसिक रूप से भी तैयार कर पाएंगे। यह पहल निश्चित रूप से राज्य के छात्रों के लिए एक उज्जवल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

“ संकल्प एक प्रयास ”
सृजन में नए फेलोज़ का इंडक्शन प्रशिक्षण संपन्न

विराट नगर, उतई (दुर्ग): शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था “ संकल्प एक प्रयास “ (SEP) द्वारा 15 सितंबर 2025 को विराट नगर, उतई स्थित कार्यालय में अपने द्वितीय बैच के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए फेलोज़ को संस्था के 'सृजन (SRIJAN)' प्रोजेक्ट और फेलोशिप की संरचना से परिचित कराना था ताकि वे अपने लक्ष्यों को बेहतर तरीके से समझ सकें।
इस कार्यक्रम के दौरान, नए फेलोज़ को SEP के मिशन, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। उन्हें संस्था के तीन मुख्य वर्टिकल- सीख (Sikh), सृजन (Srijan), और गरिमा (Garima) के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अतिरिक्त, उन्हें आदर्श बाल ग्राम (ABG) की दृष्टि भी साझा की गई, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
कार्यक्रम की शुरुआत नए फेलोज़ के स्वागत और एक आइस-ब्रेकर गतिविधि के साथ हुई, जिसके बाद उन्हें फेलोशिप की संरचना और उसके नियमों से अवगत कराया गया। त्रिसला और ममता ने उन्हें क्लस्टर मॉडल, नोडल सेंटर, स्टाइपेंड प्रक्रिया और रिपोर्टिंग के नियमों को समझाया। ममता और टिकेश्वरी ने फेलोशिप के दौरान होने वाले प्रशिक्षण मॉड्यूल, वर्कशॉप और exposure visits के बारे में जानकारी दी।
दोपहर के सत्र में, फेलोज़ को लर्निंग रिसोर्स सेंटर (LRC) की दैनिक गतिविधियों के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें उपस्थिति रजिस्टर, टेस्टिंग सिस्टम और e-Merge जैसे डिजिटल उपकरणों के उपयोग को शामिल किया गया, जो डेटा ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण हैं।

वरिष्ठ फेलोज़ ने अपने अनुभव साझा करते हुए नए फेलोज़ का मार्गदर्शन किया और उन्हें भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नए फेलोज़ ने "Why I chose fellowship" गतिविधि में हिस्सा लिया और अपनी प्रेरणा और लक्ष्यों को साझा किया।

कार्यक्रम का समापन फेलोज़ द्वारा अपनी मासिक कार्ययोजना प्रस्तुत करने और सामूहिक फोटो खिंचवाने के साथ हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नए फेलोज़ को SEP परिवार का अभिन्न अंग बनाने और उन्हें भविष्य के एजु-लीडर्स के रूप में विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।

गरिमा परियोजना:
नए विचारों का स्वागत और एक नई दिशा की ओर "संकल्प एक प्रयास"

दुर्ग, [तारीख: 18 सितंबर 2025] – 'संकल्प एक प्रयास' संस्था ने 17 सितंबर 2025 को अपने उतई स्थित कार्यालय में 'गरिमा परियोजना' के दूसरे बैच के लिए प्रेरण (इंडक्शन) कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए गरिमा फेलोज का संस्था के साथ परिचय कराना और उन्हें उनकी आगामी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से अवगत कराना था।

यह कार्यक्रम 'संकल्प एक प्रयास' के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें संस्था के एडमिन स्टाफ, कोऑर्डिनेटर, प्रोग्राम मैनेजर, पहले बैच के 19 गरिमा फेलोज और दूसरे बैच के 25 नए फेलोज उपस्थित थे।

कार्यक्रम का विवरण और मुख्य बिंदु

कार्यक्रम की शुरुआत में अभिषेक सर, खुशबू मैम और पहले बैच के गरिमा फेलोज ने 'गरिमा परियोजना', 'संकल्प एक प्रयास' और 'आदर्श बालग्राम' जैसी पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संस्था के लक्ष्यों, कार्यप्रणाली और फेलोशिप के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिससे नए फेलो को संस्था के मिशन और विजन को समझने में मदद मिली।

कार्यक्रम के दौरान, नए फेलोज को फेलोशिप के तहत उनके कार्य और उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि वे कैसे 'संकल्प एक प्रयास' के उद्देश्यों को साकार करने में योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में, 'संकल्प एक प्रयास' के संस्थापक श्री परिमल सिन्हा जी , ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने संस्था की स्थापना के पीछे की प्रेरणा और 'आदर्श बालग्राम' की अवधारणा पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने सभी नए फेलोज के साथ सीधा संवाद किया, जिससे उनमें एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।

दस्तावेज़ीकरण और समापन

इस महत्वपूर्ण सत्र के बाद, सभी नए फेलोज के आवश्यक दस्तावेज जमा किए गए और 'कोड ऑफ़ कंडक्ट' (आचार संहिता) पर उनके हस्ताक्षर लिए गए, जो संस्था के नियमों और मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम का समापन एक सामूहिक फोटो सेशन के साथ हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम न केवल नए सदस्यों को संस्था से जोड़ने में सफल रहा, बल्कि इसने उन्हें 'संकल्प एक प्रयास' के मिशन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित भी किया। यह प्रेरण कार्यक्रम भविष्य में इन फेलोज के लिए एक सफल और सार्थक यात्रा की नींव रखेगा, जिससे वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकेंगे।

नवोदय परीक्षा पर विशेष प्रशिक्षण:
"संकल्प एक प्रयास " की नई पहल

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए 'संकल्प एक प्रयास' ने हाल ही में एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में 24 नवचयनित फेलोज़ ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य उन्हें परीक्षा के पैटर्न के साथ-साथ बच्चों के सीखने के स्तर, आत्मविश्वास निर्माण और समूह कार्य की महत्ता को समझाना था।

सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस प्रशिक्षण की शुरुआत एक प्री-टेस्ट से हुई, जिससे फेलोज़ की वर्तमान समझ का आकलन किया जा सके। इसके बाद, गणित और रीज़निंग के विषयों पर गहन चर्चा हुई। गणित सत्र में व्यंजकों के सन्निकटन और सरलीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जबकि रीज़निंग सत्र में चुनिंदा प्रश्नों के हल के माध्यम से तर्क क्षमता को बेहतर बनाया गया।

प्रशिक्षण का एक अहम हिस्सा एक्टिविटी आधारित समूह कार्य था, जिसने फेलोज़ को बच्चों के साथ सहभागिता और सहयोग की प्रक्रिया को अनुभव करने का अवसर दिया।

इस अवसर पर, अभिषेक सर ने फेलोज़ को बच्चों की नियमित निगरानी और अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करने की सलाह दी। वहीं, वंदना मैम ने व्यावहारिक शिक्षा पर जोर देते हुए कहा, "सिर्फ सुनना नहीं, इस प्रशिक्षण को ज़मीन पर उतारना ज़रूरी है।"

प्रशिक्षण के अंत में मिले फीडबैक से यह साफ हो गया कि सत्र काफी उपयोगी था। हालांकि, समय की कमी के कारण पोस्ट-टेस्ट नहीं हो पाया, जिसे भविष्य के सत्रों में शामिल करने की योजना है। आगे की योजनाओं में फेलोज़ के लिए साप्ताहिक प्रशिक्षण, नियमित मॉनिटरिंग और अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करना शामिल है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन दे सकें।

' संकल्प एक प्रयास ' की यह पहल नवोदय जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी कर रहे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल फेलोज़ की दक्षता बढ़ाएगा, बल्कि बच्चों को भी बेहतर भविष्य के लिए तैयार करेगा।

संकल्प एक प्रयास (SEP) का दूसरा इंडक्शन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

विराट नगर, उतई (दुर्ग): संकल्प एक प्रयास (SEP) ने अपने दूसरे बैच के नए फेलोज़ के लिए 15 सितंबर, 2025 को विराट नगर, उतई कार्यालय में एक सफल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए फेलोज़ को SEP के मिशन और कार्यप्रणाली से परिचित कराना था, ताकि वे संस्था के "सीख" प्रोजेक्ट और फेलोशिप की संरचना को गहराई से समझ सकें।

कार्यक्रम का उद्देश्य और मुख्य बिंदु

इस इंडक्शन का लक्ष्य नए फेलोज़ को SEP की सोच, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान उन्हें लर्निंग रिसोर्स सेंटर (LRC) की दैनिक गतिविधियों, रिपोर्टिंग प्रणाली और e-Merge जैसे डिजिटल टूल्स का भी प्रशिक्षण दिया गया।
कार्यक्रम की शुरुआत नए फेलोज़ के स्वागत और एक गतिविधि के साथ हुई। SEP टीम की ललिता और कृतिका ने संस्था के तीन मुख्य वर्टिकल - सीख, सृजन और गरिमा - के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद, त्रिसला और ममता ने फेलोशिप की संरचना, क्लस्टर मॉडल, स्टाइपेंड प्रक्रिया और रिपोर्टिंग नियमों को समझाया।

प्रैक्टिकल ओरिएंटेशन और मेंटरशिप

कार्यक्रम के दूसरे भाग में, फेलोज़ को LRC के दैनिक टाइमटेबल और उपस्थिति रजिस्टर जैसे प्रैक्टिकल पहलुओं से परिचित कराया गया। उन्हें डेटा ट्रैकिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले डिजिटल टूल्स जैसे e-Merge का भी प्रशिक्षण मिला।
इस दौरान, वरिष्ठ फेलोज़ ने नए सदस्यों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने फेलोशिप के दौरान आने वाली चुनौतियों और अपनी सीख के बारे में बात की, जिससे नए फेलोज़ को प्रेरणा मिली। इसके बाद, नए फेलोज़ ने "मैंने फेलोशिप क्यों चुनी" ("Why I chose fellowship") नामक गतिविधि में अपने विचार साझा किए।

सफलता और भविष्य की राह

कार्यक्रम का समापन एक रिफ्लेक्शन सत्र के साथ हुआ, जहाँ नए फेलोज़ ने अपनी पहले महीने की कार्य योजनाओं पर चर्चा की। इस इंडक्शन के माध्यम से, फेलोज़ को अपने दायित्वों, नियमों और रिपोर्टिंग व्यवस्था की स्पष्ट समझ मिली। वे अब LRC का संचालन, डेटा ट्रैकिंग और डिजिटल टूल्स का प्रयोग बेहतर तरीके से कर सकते हैं।
यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया गया ताकि नए फेलोज़ SEP परिवार में सहजता से जुड़ सकें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में अपनी भूमिका सही दिशा में निभा सकें। यह कार्यक्रम उन्हें भविष्य के एजु-लीडर्स (edu-leaders) के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुक्तांगन में नए फ़ेलो के लिए उन्मुखीकरण सत्र:
'सीखने की यात्रा' की शुरुआत

उतई, दुर्ग। 29 सितंबर, 2025 को संकल्प एक प्रयास संस्था द्वारा मुक्तांगन संस्था के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चुने गए सभी नए फ़ेलोज़ के लिए एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का मुख्य उद्देश्य नए फ़ेलोज़ को मुक्तांगन संस्था से परिचित कराना और अगले दो वर्षों के लिए उनके कार्यक्षेत्र और लक्ष्यों से अवगत कराना था। यह सत्र मुक्तांगन के उतई कार्यालय से आयोजित किया गया।

अनूठा परिचय सत्र

सत्र की शुरुआत सभी नए फ़ेलोज़ के परिचय से हुई। इस परिचय सत्र को खास और यादगार बनाने के लिए, सभी प्रतिभागियों को अपने नाम के साथ-साथ अपने किसी एक कौशल (Skill) को भी जोड़कर बताना था। संस्था का मानना है कि यह तरीका फ़ेलोज़ को न केवल एक-दूसरे से जुड़ने में मदद करेगा, बल्कि आने वाले दिनों में उनके विशिष्ट कौशल का उपयोग टीम वर्क में भी किया जा सकेगा। सभी प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ अपना परिचय दिया, जिससे सत्र में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

मुक्तांगन की संकल्पना और आगामी दो वर्षों का कार्य

परिचय सत्र के बाद, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर श्रीमती वंदना कुमार ने मुक्तांगन संस्था के महत्व और आगामी दो वर्षों की कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह फ़ेलोशिप ग्रामीण और शैक्षिक विकास के क्षेत्र में कैसे महत्वपूर्ण बदलाव लाने पर केंद्रित होगी। इसी क्रम में, श्रीमती जुमाना मैम ने सभी फ़ेलोज़ को प्रेरित किया और मुक्तांगन के उद्देश्यों और कार्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

इसके उपरांत, श्रीमती ज्योति मैम ने मुक्तांगन, मुंबई की ओर से जुड़कर, फ़ेलोज़ को आगामी दो वर्षों के विस्तृत सत्रों और गतिविधियों की रूपरेखा समझाई, जिससे उन्हें अपने कार्य की स्पष्ट दिशा मिल सके।

सत्र के अंत में, सभी फ़ेलोज़ से गूगल फॉर्म के माध्यम से फीडबैक लिया गया और इसी के साथ सत्र का सफल समापन हुआ।

इस उन्मुखीकरण सत्र में टिकेश्वरी सहित सभी नए 'सीख' फ़ेलोज़ और प्रोग्राम कोर्डिनेटर वंदना मैम की उपस्थिति उल्लेखनीय रही, जिन्होंने नए सदस्यों को उनकी आगामी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। यह सत्र मुक्तांगन के साथ नए फ़ेलोज़ की 'सीखने की यात्रा' की एक प्रेरणादायक शुरुआत रही।

बढ़ती शिक्षा की मशाल:

'संकल्प एक प्रयास' का अभिनव कदम! सृजन कार्यक्रम के तहत 250 गाँवों में शुरू होगा STEM वर्कशॉप का वृहद आयोजन

उतई (दुर्ग): ग्रामीण शिक्षा और उच्च शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के एक सार्थक प्रयास के रूप में, "संकल्प एक प्रयास" संस्था ने अपने 'सृजन प्रोग्राम' को एक नया आयाम दिया है। कक्षा आठवीं के बच्चों को आगे की शिक्षा के लिए ग्रूम करने हेतु अब 'सृजन हाइयर एजुकेशन इंटरवेंशन' के तहत कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों के लिए "STEM @your door" कम्युनिटी वर्कशॉप का विस्तार किया जा रहा है।

यह अभिनव वर्कशॉप अब सृजन के 250 गाँवों में संचालित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल का संचालन 50 ऊर्जावान फ़ेलोज के नेतृत्व में होगा, जो ग्रामीण बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विषय-वस्तु पर विशेष ध्यान:

विज्ञान और गणित की जटिलता होगी आसान

इस कम्युनिटी वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च कक्षाओं के महत्वपूर्ण विषयों की बुनियादी समझ को मज़बूत करना है।

हाल ही में आयोजित प्रशिक्षण (कैसकेड):

- दिनांक 25/09/2025 को सृजन के 1st बैच फ़ेलोज और दिनांक 30/09/2025 को 2nd बैच फ़ेलोज के साथ कम्युनिटी वर्कशॉप मॉड्यूल का सफल कैसकेड (प्रशिक्षण) किया गया।
- दूसरे बैच में कुल 22 फ़ेलोज उपस्थित रहे, जबकि अनुपस्थित 2 फ़ेलोज को उनके मेंटर फ़ेलोज द्वारा व्यक्तिगत दिशा-निर्देश दिया जाएगा, ताकि कोई भी पीछे न छूटे।

कार्यशाला के मुख्य विषय:

Science (विज्ञान):

Chemical Bonding (रासायनिक आबंधन)

Math’s (गणित):

Trigonometry (त्रिकोणमिति)

ये विषय उच्च शिक्षा की रीढ़ माने जाते हैं, और इन पर ज़ोर देकर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

नेतृत्व और कार्ययोजना

इस पूरे शैक्षणिक अभियान का संचालन अभिषेक सर एवं वंदना मैम के कुशल दिशा-निर्देशन में होना है। फ़ेलोज की टीम पूरी तरह से उत्साहित और सक्रिय है तथा कार्यशाला के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कृतसंकल्प है। माह अक्टूबर 2025 की वर्कशॉप 1 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक संपन्न होनी है, जिसमें बच्चों को विज्ञान और गणित के इन महत्वपूर्ण सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से सिखाया जाएगा।

यह पहल आठवीं के बच्चों को आगे की कक्षाओं के लिए तैयार करने और उच्च शिक्षा में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए 'संकल्प एक प्रयास' का एक सार्थक और सराहनीय प्रयास है। यह न केवल ग्रामीण शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाएगा, बल्कि प्रतिभाशाली बच्चों को उनके सपनों की ओर अग्रसर होने में भी सहायता करेगा। आप भी 'संकल्प एक प्रयास' की इस अद्भुत पहल में भागीदार बनें और ग्रामीण शिक्षा के इस प्रकाश को दूर-दूर तक फैलाने में हमारा सहयोग करें!

डिजिटल शिक्षा क्रांति:

'संकल्प एक प्रयास' का यू-ट्यूब चैनल, अब घर बैठे होगी पहली से दसवीं तक की आसान पढ़ाई

[भिलाई – दुर्ग] [09/06/2025]: शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होते हुए, स्थानीय गैर-लाभकारी संस्था 'संकल्प एक प्रयास' ने कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के छात्रों, फेलो और शिक्षिकाओं के लिए एक समर्पित यूट्यूब चैनल लॉन्च किया है। यह सराहनीय पहल उन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और मेंटर्स को घर बैठे निःशुल्क (free of cost) गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक और प्रशिक्षण सामग्री (training material) उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिन्हें कक्षा में अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है या जिनके पाठ छूट गए हैं।

हर विषय, हर टॉपिक अब मुट्ठी में

संस्था के सदस्यों के अनुसार, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सामग्री को बच्चों के सीखने के तरीके (learning methodology) और फेलो व शिक्षिकाओं के प्रशिक्षण की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्यंत सावधानी और विशेषज्ञता से तैयार किया गया है।

- **विस्तृत कवरेज :** चैनल पर हर विषय के एक-एक टॉपिक और प्रशिक्षण संबंधी मॉड्यूल पर विस्तृत वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं।
- **अध्ययन की स्वतंत्रता :** इसका अर्थ है कि गणित का कोई जटिल समीकरण हो या विज्ञान की कोई मुश्किल अवधारणा, छात्र अपनी सुविधा और गति (pace) के अनुसार, कभी भी, कहीं भी इन वीडियो को देखकर अपनी शंकाओं को दूर कर सकते हैं और अपनी पढ़ाई को बिना रुकावट के जारी रख सकते हैं।
- **प्रशिक्षण का सशक्तिकरण:** इसी प्रकार, फेलो और शिक्षिकाएं भी अपने प्रशिक्षण से संबंधित छूटे हुए या कठिन विषयों को देखकर स्वयं को सशक्त (empower) कर सकती हैं।

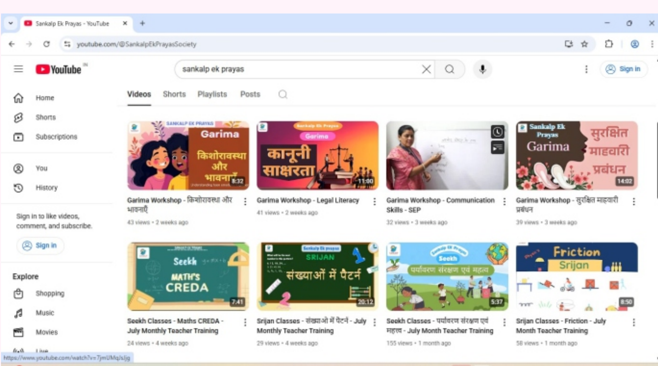

शिक्षा पर हर बच्चे का अधिकार

'संकल्प एक प्रयास' के संस्थापक श्रीमान परिमल सिन्हा जी ने इस डिजिटल पहल के लॉन्च पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "हमारा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा पर हर बच्चे का मूलभूत अधिकार है। यह यू-ट्यूब पहल डिजिटल माध्यम से इसी अधिकार को सुनिश्चित करने की दिशा में हमारा एक छोटा सा प्रयास है। हम नहीं चाहते कि कोई भी बच्चा केवल क्लास छूट जाने या किसी टॉपिक को न समझ पाने की वजह से शिक्षा की दौड़ में पीछे रह जाए।"

संस्था ने सभी अभिभावकों, शिक्षकों और सामुदायिक नेताओं से विनम्र अपील की है कि वे इस अमूल्य सुविधा की जानकारी अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचाएं, ताकि इस डिजिटल सेतु का लाभ उठाकर अधिकतम छात्र अपनी शैक्षणिक सफलता सुनिश्चित कर सकें।

हमरे सहयोगी संस्थाएं

- Caring Friends – Helping Good NGOs Perform Better – MUMBAI
- SARDA – SARDA ENERGY & MINERALS LTD.
- DONATEKART
- Arpan FOUNDATION
- Asha for Education – Bringing hope through education
- muktangan – learning & growing together
- गणित-विज्ञान की एक प्रयोगशाला आविष्कार – Aavishkaar – Center for Science, Math, Arts and Technology
- phf Paul Hamlyn Foundation
- INVOLVE – Building Tomorrow
- VIKAS SAMVAD
- अध्ययन ADHYAYAN

SANKALP
Empowering Dreams, Building Future

SANKALP EK PRAYAS
SOCIETY, BHILAI

Sankalp ek prayas, Virat Nagar, Utai, Durg (C.G.)

Email : sankalpekprayas@gmail | Web : www.sankalpekprayas.org

Follow us on : @SankalpEkPrayas-s4i @SANKALPEK_PRAYAS